



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 95]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 26, 1979/फाल्गुन 7, 1900

No. 95]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 26, 1979/PHALGUNA 7, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1979

का. आ. 112 (अ)/18कक/उ. वि. वि. अ./79.—केंद्रीय सरकार को अपने कब्जे में की दस्तावेजी या अन्य साक्ष्य से यह समाधान हो गया है कि मैसेर्स ब्रेन्ट फोर्ड इलेक्ट्रिक (इंडिया) लिमिटेड, कलकत्ता के नाम से ज्ञात औद्योगिक उपक्रम के भारसाधक व्यक्तियों ने औद्योगिक उपक्रम की आस्तियों के विलंबित सर्जित करके तथा निधियों का फेर-बदल करके ऐसी स्थिति उत्पन्न की है जिससे औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित या उत्पादित वस्तुओं के उत्पादन पर प्रभाव पड़ने की संभावना है और ऐसी स्थिति को रोकने के लिए तुरन्त कार्रवाई आवश्यक है;

अतः अब केंद्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 85) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एन्ड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड कलकत्ता (जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्राधिकृत व्यक्ति" कहा गया है) को उक्त औद्योगिक उपक्रम का सम्पूर्ण प्रबंध प्रहण करने के लिए निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों के अधीन रहते हुए प्राधिकृत करती है, अर्थात् :—

- (1) प्राधिकृत व्यक्ति उन सभी निर्देशों का पालन करेगा जो केंद्रीय सरकार समय-समय पर जारी करे।
- (2) प्राधिकृत व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से छः महीने की अवधि पर्यन्त पद धारण करेगा।

(3) केंद्रीय सरकार, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझे, प्राधिकृत व्यक्ति की नियुक्ति पहले भी समाप्त कर सकेगी।

2- यह आदेश राजपत्र की तारीख से प्रारम्भ होते हुए छः महीने की अवधि पर्यन्त प्रभावी रहेगा।

[सं. फा. 5(14)/78-सी. यू. सी.]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)
ORDER

New Delhi, the 26th February, 1979

S.O. 112(E)/18AA/IDRA/79.—Whereas the Central Government is satisfied, from the documentary and other evidence in its possession, that the persons in charge of the industrial undertaking known as Messrs Brentford Electric (India) Limited, Calcutta, have, by creation of incumbrance on the assets of the industrial undertaking and by diversion of funds, brought about a situation which is likely to affect the production of articles manufactured or produced in the industrial undertaking, and that immediate action is necessary to prevent such a situation;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises Messrs Andrew Yule and Company Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the "Authorised Person") to take over the management of the whole of the said industrial undertaking subject to the following terms and conditions, namely :—

- (i) The Authorised Person shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government :

(ii) The Authorised Person shall hold office for a period of six months from the date of publication of this Order in the Official Gazette;

(iii) The Central Government may terminate the appointment of the Authorised Person earlier, if it considers necessary to do so.

2. This Order shall have effect for a period of six months commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 5/14/78-CUC]

आवृत्ति

का. आ. 113(अ)/18क/आर्. डी. आर. ए./79.—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 13 (अ)।

तारीख 3 जनवरी, 1974 में निम्नलिखित और संशोधन करती हैं, अर्थात् :—

उक्त आदेश में क्रम सं. 5 और उससे संबंधित प्रविष्ट के स्थान पर निम्नलिखित रखा जावेगा, अर्थात् :—

“5. डा. बी. एन. मुखर्जी,

उप महाप्रबन्धक,

इण्डस्ट्रियल रीकंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड,

कलकत्ता-700001”

[सं. फा. 2/16/73-सी. ए. सी.]

ORDER

S.O. 113(E)/18A/IDRA/79.—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 13(E) dated the 3rd January, 1974, namely :—

In the said Order, for serial No. 5 and the entry relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“5. Dr. B. N. Mukherjee,
Deputy General Manager,
Industrial Reconstruction Corporation of India
Limited,
Calcutta-700001”.

[File No. 2/16/73-CUC]

आवृत्ति

का. आ. 114(अ)/18क/आर्. डी. आर. ए./79.—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 14(अ)।

तारीख 3 जनवरी, 1974 में निम्नलिखित और संशोधन करती हैं, अर्थात् :—

उक्त आवृत्ति में, क्रम सं. 5 और उससे संबंधित प्रविष्ट के स्थान पर निम्नलिखित रखा जावेगा, अर्थात् :—

“5. डा. बी. एन. मुखर्जी,

उप महाप्रबन्धक,

इण्डस्ट्रियल रीकंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड,

कलकत्ता-700001”

[सं. फा. 2/16/73-सी. ए. सी.]

पी. सी. नायक, संयुक्त सचिव

ORDER

S.O. 114(E)/18A/IDRA/79.—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 14(E) dated the 3rd January, 1974, namely :—

In the said Order, for serial No. 5 and the entry relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“5. Dr. B. N. Mukherjee,
Deputy General Manager,
Industrial Reconstruction Corporation of India
Limited,
Calcutta-700001”.

[File No. 2/16/73-CUC]
P. C. NAYAK, Jt. Secy.